देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 16 अंक: 177 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...फिर से जाति की शरण

पेज श्री

देहरादून, शुक्रवार, 15 अक्टूबर 2021

PAGE 3 PUBLICATION
मौसम अधिकतम 27.0° न्यूनतम 24.0°
40243.39
2 अमेरिका ने महीनों बाद खोला बार्डर
7 परफेक्ट बल्लेबाज रहे हैं गौतम गंभीर

सीमाएं लांघी तो फिर होगी सर्जिकल स्ट्राइक

गृह मंत्री अमित शाह ने दी पाकिस्तान को हद में रहने की खुली चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान को हद में रहने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर वह कश्मीर में आतंकियों को नागरिकों का कत्ल करने में समर्थन देता रहा और सीमाएं लांघी तो उस पर और सर्जिकल स्ट्राइक होंगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले कि कुछ साल पहले पुंछ में जब हमला हुआ तो पहली बार सर्जिकल स्ट्राइक कर भारत ने दुनिया को बता दिया कि भारत की सीमाओं के साथ छेड़–छाड़ करना इतना सरल नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर के नेतृत्व में पहली बार भारत ने अपनी सीमाओं की सुरक्षा और सम्मान को साबित किया।

उन्होंने कहा कि पूरा देश मनोहर पर्रिकर को दो चीजों के लिए हमेशा याद करेगा। उन्होंने गोवा को उसकी पहचान दी और दूसरा उन्होंने तीनों सेनाओं को वन रैंक, वन पेंशन दिया। रक्षा मंत्री गोवा के धारबंदोरा में नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी के शिलान्यास समारोह में बोल रहे थे।

अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश की अप्रोच में बड़ा बदलावा आया है। पहले देश की सीमाएं लांघकर आतंकी आते थे। उग्रवाद फैलाते थे। हालांकि, दिल्ली के दरबार से एक निवेदन के अलावा कुछ नहीं होता था। लेकिन, पुंछ में जब हमला हुआ तो भारत ने बताया कि उसकी सीमाओं के साथ छेड़खानी इतनी आसान नहीं।

शाह ने कहा कि मोदी–पर्रिकर ने युगांतकारी शुरुआत की। उन्होंने बताया कि जैसा सामने से सवाल आएगा वैसा ही जवाब दिया जाएगा। गृह मंत्री ने यह कहकर साफ संदेश दिया कि पाकिस्तान अगर अपनी हरकतों से बाज नहीं आया तो फिर उसे और सर्जिकल स्ट्राइक के लिए तैयार रहना चाहिए।

विशेष दर्जा खत्म होने के बाद से पाकिस्तान बौखलाया

अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू–कश्मीर को मिला विशेष दर्जा खत्म होने के बाद पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। वह लगातार साजिश रच रहा है। उसे 370 हटने के बाद बड़े पैमाने पर उथलपुथल की आशंका थी जो गलत साबित हुई। सुरक्षा बलों ने यहां काफी हद तक शांति बनाए रखने में कामयाबी हासिल की। पाकिस्तान को यह बात कतई हजम नहीं हो रही है।

कुछ समय से कश्मीर में शांति भंग

कश्मीर में पिछले करीब एक महीने से शांति भंग है। लगातार निर्दोषों का खून बहाया जा रहा है। हाल में केंद्र शासित राज्य में चुन–चुन कर सिखों, कश्मीरी पंडितों और गैर–मुस्लिमों की हत्या की गई है। नाम पूछ–पूछकर उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। इन आतंकी घटनाओं से राज्य के हालात चिंताजनक हो गए हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने हाल में इसे लेकर मैराथन बैठक की थी। टॉप काउंटर–टेरर एक्सपर्ट्स की कई टीमें कश्मीर भेजी जा चुकी हैं। ये आतंकी हमलों में शामिल पाकिस्तान समर्थित स्थानीय मॉड्यूल को बेअसर करने में पुलिस की मदद कर रही हैं।

2016 में पाक में घुसकर की थी स्ट्राइक

भारत ने उरी, पठानकोट और गुरदासपुर में आतंकवादी हमलों के जवाब में सितंबर 2016 में पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक किया था। इनके जरिये पाकिस्तान में कई आतंकवादी शिविरों को नष्ट किया गया था। उरी हमले के 11 दिन बाद 29 सितंबर 2016 को सर्जिकल स्ट्राइक की गई थी। बीते सोमवार को जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक 'जूनियर कमीशंड अधिकारी' सहित पांच सैन्य कर्मी शहीद हो गए थे। इन शूरवीरों में नायब सुबेदार जसविंदर सिंह, मंदीप सिंह, गज्ज्जन सिंह, सरज सिंह और वैसाख एच शामिल थे। इसने पूरे देश का खून खौला दिया है।

संक्षिप्त समाचार

आर्यन खान को फिर नहीं मिली जमानत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुबंई। क्रूज ड्रग्स केस में गिरफ्तार शाहरुख खान के लाडले आर्यन खान की जमानत पर गुरुवार को फिर सुनवाई हुई। कोर्ट ने आगामी 20 अक्टूबर तक के लिए आदेश सुरक्षित कर लिया है। इस तरह से आर्यन खान को जमानत नहीं मिल पाई है। आर्यन खान की ओर से कोर्ट में वकील अमित देसाई और सतीश मानशिंदे पैरवी की, जबकि NCB की तरफ से ASG अनिल सिंह, स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अद्वैत सेठना और एएम चिमालकर मौजूद थे।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की हालत स्थिर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की तबीयत खराब है और वे दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती हैं। इस बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल लिया। पीएम मोदी ने पूर्व पीएम के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

अगले साल से एनडीए की ट्रेनिंग में शामिल हो सकेंगी देश की बेटियां

राजनाथ सिंह ने मां दुर्गा का जिक्र कर की पूर्व पीएम की तारीफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के साथ 1971 के युद्ध में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका की ओर इशारा करते हुए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पूर्व पीएम ने न केवल कई साल तक देश की कमान संभाली, बल्कि युद्ध के समय भी नेतृत्व किया। सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका पर एससीओ की संगोष्ठी को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने रानी लक्ष्मीबाई और पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल का भी जिक्र किया। कहा कि राष्ट्रीय विकास में महिला शक्ति की भूमिका को लेकर भारत का अनुभव सकारात्मक रहा है। सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका पर बातचीत करना ठीक है, लेकिन सुरक्षा और राष्ट्र–निर्माण के सभी क्षेत्रों में उनके व्यापक योगदान को पहचाना जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'देश की रक्षा और लोगों के अधिकारों के लिए इतिहास में महिलाओं के हथियार उठाने के अनेक उदाहरण हैं। रानी लक्ष्मीबाई उनमें सबसे प्रमुख हैं।'

रक्षा मंत्री ने कहा, 'भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने न केवल वर्षों तक देश की कमान संभाली, बल्कि युद्ध के समय भी नेतृत्व किया। कुछ साल पहले प्रतिभा पाटिल भारत की राष्ट्रपति और भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर थीं।' इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहने के दौरान भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 1971 की जंग जीती थी और एक नया देश बांग्लादेश बना था। उन्होंने कहा कि भारत उन कुछ देशों में शामिल है जिन्होंने सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी के लिए जल्द पहल की और महिलाओं की भर्ती स्थायी कमीशन के रूप में सेना में होने लगी है। उन्होंने कहा कि अगले साल से महिलाएं राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगी।

पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सेवाएं दे रही महिलाएं

चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने कहा है कि आज दुनिया के हर देश में महिलाएं आर्म्ड फोर्स में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सेवाएं दे रही हैं। भारतीय सेना में महिलाओं की ट्रेनिंग बेहद मुश्किल होती है जो उन्ह्हें न सिर्फ शारीरिक मजबूती देती है बल्कि विभिन्न परिस्थितियों में भी अपनी ड्यूटी को निभाने के लिए तैयार करती है। उन्होंने ये बात एससीओ –इंटरनेशनल वेबिनार में सशस्त्र सेना में महिलाओं की भूमिका के विषय पर बोलते हुए कही है।

सिर्फ उत्पादन और डिस्पैच पर दें ध्यान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

धनबाद। देश के पावर सेक्टर में कोयला संकट को देखते हुए केंद्रीय कोयला मंत्री प्रह्ललाद जोशी ने त्योहार का मौसम होने के बाद भी खुद मोर्चा संभाल लिया है। वे पूरी टीम के साथ कोल इंडिया की कोयला कंपनियों का दौरा कर रहे हैं। एसईसीएल का दौरा करने के बाद जोशी गुरुवार को सीसीएल के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान वे सीसीएल के मेगा प्रोजेक्ट (खुली खदान परियोजना) में पहुंचे और कोयले का उत्पादन व डिस्पैच का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को कार्यसंस्कृति में बदलाव लाने की नसीहत दी। सिर्फ उत्पादन और डिस्पैच पर ध्यान देने पर जोर दिया। मंत्री सीसीएल व बीसीसीएल सीएमडी व अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे।

कोयला मंत्री जोशी ने सीसीएल के अशोका प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया। यहां खदानों की स्थिति को देखकर कर कहा कि खदानों को और व्यवस्थित करने की जरूरत है। अशोका मेगा प्रोजेक्ट है। कोयला उत्पादन की दिशा में तेजी से काम करने की जरूरत है। कोयला मंत्री ने कहा कि कोयला डिस्पैच की गति में किसी तरह परेशानी न आए इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। कोयला मंत्री को इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि जमीन व विधि व्यवस्था के कारण परियोजना विस्तार करने में परेशानी हो रही है। कई नए प्रोजेक्ट चालू करना है, लेकिन जमीन के कारण मामला लंबित पड़ गया है।

समीक्षा

■अधिकारियों ने बताई अपनी समस्या

कोयला कामगारों से किया संवाद

झारखंड के चतरा जिले में अवस्थित सीसीएल की अशोक ओपनकास्ट कोयला खदान का दौरा किया। 20 मिलियन टन की सालाना क्षमता वाली यह खदान सीसीएल की सबसे बड़ी कोल परियोजनाओं में से एक है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

बच्चों के लिए टीकाकरण की राह खुली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। देश में दो साल से बड़े सभी बच्चों के लिए टीकाकरण की राह खुल गई है। इसी बीच गुरूवार को सरकारी सूत्रों के अनुसार बताया कि 2 से 18 साल की उम्र के लिए कोवैक्सिन को अंतिम मंजूरी विशेषज्ञों की राय और मूल्यांकन के अधीन है। इसके बाद ही बच्चों के लिए फाइनल टीकाकरण की गाइडलाइन जारी की जा सकेगी। हाल ही में अभी सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी ने भारत बायोटेक के स्वदेशी टीके कोवैक्सीन को दो से 18 साल के बच्चों के लिए आपात इस्तेमाल की इजाजत दी है।

बता दें कि दो से 18 साल के बच्चों पर दूसरे व तीसरे चरण के ट्रायल का डाटा इस महीने की शुरुआत में भारत बायोटेक ने सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल आर्गनाइजेशन को दिया था। आंकड़ों के अध्ययन के बाद ही एसईसी ने इसे मंजूरी देने की सिफारिश की है। कोवैक्सीन से पहले भारत में जायडस कैडिला की स्वदेशी वैक्सीन जायकोव–डी को 12 से 18 साल के बच्चों के लिए मंजूरी दी जा चुकी है।

2 से 18 साल की उम्र के लिए कोवैक्सिन को अंतिम मंजूरी